TickMark.Ai
Mumbai

Class: EM - CLASS 8 | **Subject:** Hindi | **Time:**1 hrs
Date: 02-08-2025 | **Paper:** Unit 1 | **Marks:**20

विभाग १ - गद्य

Q1) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

(1) आकृती पूर्ण कीजिए: (2)

(i) ..... (ii) .....

वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने के लिए
इन विषयों के विचार जरुरी है

(iii) ..... (iv) .....

यह उसकी भयंकर पाशवी वृत्ति के जीवंत प्रतिक है | मनुष्य की पशुता को जितनी बार भी काट दो , वह मरना नहीं जानती |

अगर आदमी अपने शरीर की, मन की और वाक की अनायास घटने वाली वृत्तियों के विषय में विचार करे तो उसे अपनी वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने में बहुत सहायता मिले | मनुष्य की नख बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है , वह उसके पशुता का प्रमाण है | उन्हें काटने की जो प्रवृत्ति है , वह उसकी मनुष्यता की निशानी है |

मेरा मन पूछता है – मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है ? पशुता की ओर या मनुष्यता की ओर ? अस्त्र बढ़ाने की ओर या अस्त्र काटने की ओर ? मेरी निर्बोध बालिका ने मानो मनुष्य जाति से ही प्रश्न किया है – जानते हो , नाखून क्यों बढ़ते हैं ? यह हमारी पशुता के अवशेष हैं | मैं भी पूछता हूँ – जानते हो , यह अस्त्र-शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं ? यह हमारी पशुता की निशानी है | स्वराज होने के बाद स्वभावतः ही हमारे नेता और विचारशील नागरिक सोचने लगे है कि इस देश को सच्चे अर्थ में सुखी कैसे बनाया जाये | हमारी परंपरा महिमामयी और संस्कार उज्वल है क्योंकि अपने आप पर , अपने आप द्वारा लगाया हुआ बंधन हमारी संस्कृति की बहुत बड़ी विशेषता है |

TickMark.Ai

(2) एक शब्द में उत्तर लिखिए: (2)

(1) मनुष्य की कौनसी चीज़ कभी नहीं मरती ?

(2) क्या महिमामयी और संस्कार उज्वल है ?

(3) (1) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए: (1)

(i) सहायता - (ii) मनुष्य -

(2) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए: (1)

(i) मरना - (ii) प्रश्न -

(4) देश के नागरिक होने के नाते हमारा क्या कर्तव्य है ? (2)

विभाग २ - पद्य

Q2) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

(1) (1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए: (1)

(i) भारत माँ के चरण धोता है। - .....

(ii) कवि भारत माँ के सेवा के लिए छोड़ना चाहता है। - .....

(2) आकृती पूर्ण कीजिए: (1)

कवि मातृभूमि के लिए अर्पित करना चाहता है

....

माई ! समुद्र जिसकी पद रज को नित्य धोकर;
करता प्रणाम तुझको, मैं वे चरण दबाऊँ ।।
सेवा में तेरी माता ! मैं भेदभाव तजकर;
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ सुनाऊँ ।।
तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ।
मन और देह तुझ पर बलिदान मैं जाऊँ ।।

(2) एक वाक्य में उत्तर लिखिए: (2)
(1) कवि इसकी चरणों को दबाना चाहते हैं?
(2) कवि प्रतिदिन यह सुनना और सुनाना चाहते हैं?

(3) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का सरल भावार्थ लिखिए: (2)
सेवा में तेरी माता। मैं भेदभाव तजकर,
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ सुनाऊँ ॥

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

Q3) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

(1) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा पहचान कर लिखिए (1)
जब मनुष्य जंगली था | (जातिवाचक संज्ञा)

(2) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए (1)
(1) बलि - (2) बादल -

(3) निम्नलिखित वाक्य में विशेषण ढूंढ कर लिखिए (1)
डॉक्टर ने बाँह पर काला कपड़ा लपेटा |

(4) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों के सर्वनाम का भेद लिखिए (1)
कुछ प्रसंग <u>जो</u> आपके जीवन से संबंधित हैं |

(5) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए (1)
(1) अंधकार x (2) शुभ x

(6) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए (1)
(1) बेटा - (2) ठाकुर -

All the Best

TickMark.Ai